

उत्तराखण्ड शासन  
कार्मिक अनुभाग-2  
संख्या 332/XXX(2)/2016/03(01),2006  
देहरादून दिनांक 14 दिसम्बर, 2016

अधिसूचना  
प्रकीर्ण

'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तराखण्ड राज्याधीन सेवाओं/पदों पर दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों का विनियमितीकरण नियमावली,2013 में संशोधन करने हेतु दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों का विनियमितीकरण(संशोधन) नियमावली,2016 बनाते है।

दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों का विनियमितीकरण (संशोधन) नियमावली,2016

- संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना 1 (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम का दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों का विनियमितीकरण (संशोधन) नियमावली,2016 है।  
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।
- नियम-4(1) का प्रतिस्थापन 2 दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों का विनियमितीकरण नियमावली,2013 के नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये वर्तमान नियम-4(1)के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा अर्थात:-

स्तम्भ 1  
वर्तमान नियम

4(1) नियमावली में उल्लिखित अन्य शर्तें पूर्ण करने पर दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त वे कार्मिक विनियमितीकरण हेतु पात्र होंगे जिन्होंने इस नियमावली के प्रख्यापन की तिथि को इस रूप में कम से कम पाँच वर्ष की निरन्तर सेवा उस पद या समकक्ष पद पर पूर्ण कर ली हो.

स्तम्भ 2  
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

4(1) नियमावली में उल्लिखित अन्य शर्तें पूर्ण करने पर दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त ऐसे कार्मिक विनियमितीकरण हेतु पात्र होंगे जो दिनांक 31-12-2011 तक इस रूप में नियुक्त हुए हैं तथा जिन्होंने कम से कम पाँच वर्ष की निरन्तर सेवा उस पद पर या समकक्ष पद पर पूर्ण कर ली हो।

आज्ञा से,

(अरविन्द सिंह ह्योकी)  
सचिव

**IN THE HIGH COURT OF UTTARAKHAND AT NAINITAL**  
**WRIT PETITION (SS) No. 154 of 2017**

Himanshu Joshi and others. ....Petitioners.

**Versus**

State of Uttarakhand and others. ....Respondents.

Mr. Vinay Kumar, Advocates for the petitioners.  
Mr. Vinod Tiwari, Brief Holder for the State of Uttarakhand / respondent nos. 1 & 2.  
Mr. Rajendra Singh Negi, Advocate holding brief of Mr. Pankaj Purohit, Advocate for respondent no. 3.  
Mr. Sanjay Bhatt, Advocate holding brief of Mr. Rakesh Thapliyal, Advocate for respondent no. 4.

**Dated: 24.01.2017**

**Hon'ble Servesh Kumar Gupta, J.**

This Court has heard Mr. Mr. Vinay Kumar, learned counsel for the petitioners, Mr. Vinod Tiwari, learned Brief Holder for the State of Uttarakhand, Mr. Rajendra Singh Negi, Advocate holding brief of Mr. Pankaj Purohit, Advocate for respondent no. 3 and Mr. Sanjay Bhatt, Advocate holding brief of Mr. Rakesh Thapliyal, Advocate for respondent no. 4.

2. The caveator Mr. C.K. Sharma has been informed to be out of station. The Court feels that after moving a caveat application, none can be permitted to keep this Court stranded without passing any order by his becoming absent.

3. It has been argued by the learned counsel for the petitioners that the State Government, of late, has issued a Government Order (Annexure-3) for regularisation of not only the contract workers, but also of the daily wagers, who have completed five years of service at the time of issuance of this Government Order, if such persons have been inducted into service before 31.12.2011.

4. Learned counsel has referred the law laid down in the case of **Secretary, State of Karnataka and others vs. Umadevi (3) and others** reported in (2006) 4 SCC 1, which is a Constitution Bench judgment and it was categorically made clear that any

Government shall be permitted to regularise the service of contract workers only by framing the rules only at one time and it will not be repeated. The Government of Uttarakhand, hitherto, had regularized such type of workers by making Rules in 2011, further in 2013 and now in 2016. These fresh Rules have been issued to regularize all those contract workers in utter disregard of the directives of the Hon'ble Apex Court.

5. I admit this writ petition.
6. Let counter affidavit(s) be filed within a period of four weeks.
7. List this matter thereafter.
8. I stay the operation of the impugned Government Order immediately and hereby direct that no contract workers much less a daily wager shall be regularized pursuant to the Government Notification No. 337/XXX(2)/2016/03(01), 2006 Dehradun dated 14<sup>th</sup> December, 2015 by any office of the Government.
9. Urgency Application (IA No. 385 of 2017) and Interim Relief Application (CLMA No. 752 of 2017) stand disposed of.

(Serves Kumar Gupta, J.)  
Vacation Judge  
24.01.2017

Rathour